



गाँव की नासमझ छोरी की मदमस्त चुदाई -4

“चूत की सील तोड़ने के बाद मैं अब बिल्लो की गांड मारने की तैयारी कर रहा था. उसने मेरा लौड़ा चूस कर तैयार किया और मैंने उसकी गांड में तेल लगा कर लौड़े का सुपारा छेद पे टिकाया. ...”

Story By: सुदीप्ता (sudipta)

Posted: Sunday, December 20th, 2015

Categories: [लड़कियों की गांड चुदाई](#)

Online version: [गाँव की नासमझ छोरी की मदमस्त चुदाई -4](#)

गाँव की नासमझ छोरी की मदमस्त चुदाई

-4

अब तक आपने पढ़ा..

अब मैंने बिल्लो को उल्टा लिटा दिया और पीछे से लण्ड उसकी बुर पर रगड़ने लगा। कुछ ही समय में वह पनिया गई.. तो उसकी बुर में फिर से लण्ड एक बार में ही डाल कर चोदने लगा। लेकिन मेरा ध्यान उसकी गाण्ड पर था। बिल्लो तो जानती नहीं थी कि उसे पीछे से क्यों चोद रहा हूँ..। मैं बिल्लो को कुतिया की तरह चोदने के बाद उसकी बुर में जब धक्का लगाने लगा.. तो बोली- चाचा.. कुत्ता भी ऐसे ही करता है ना ?

‘हाँ..’

मैंने उसकी चूचियों को पकड़ कर जब चोदना शुरू किया तो ‘चा..चा.. आ..आ.. जोर से पे..ली...ये.. म..जा.. आ.. र..हा... है.. मेरी चूत को पूरी तरह से रस से भर दीजिए..’

यह कह कर वह खड़ी हो गई और जब तक मैं समझ पाता.. उसने मेरे लण्ड को मुँह में ले लिया।

अब आगे..

बिल्लो ने जैसे ही मेरे लंड को चूसना चालू किया तो मैं खड़ा हो गया और बिल्लो का सर को पकड़ कर उसे उत्तेजित करने लगा।

मुझे आगे कुछ बोलने का कोई मौका दिए बिना.. वो मेरे पैरों को पकड़ कर नीचे बैठ गई और मेरा लंड मुँह में लेकर जोर-जोर से चूसने लगी। उसकी कांखों के नीचे से हाथ निकाल कर मैं बिल्लो के मम्मे दबाने लगा, कभी बाँया वाला और कभी दाँया वाला चूचा सहलाने लगा और मैंने बड़े ही आराम से अपने लिंग को बिल्लो के मुँह के अन्दर धकेल दिया तथा

आहिस्ता-आहिस्ता धक्के देकर अन्दर-बाहर करने लगा।

मुख-मैथुन की क्रिया करते हुए लगभग पांच मिनट ही हुए थे.. जब बिल्लो को मेरे लिंग में से नमकीन सा पूर्व मैथुन रस निकलने का स्वाद आया, तब उसने मुझे थोड़ा रुकने का संकेत दिया।

मैं बिल्लो की गर्दन पर भी चुम्बन कर रहा था और फुसफुसा भी रहा था- मुझे कुछ नहीं करना है.. सिर्फ तुम्हें आनन्द देना है।

वास्तव में लिंग चूसने से बिल्लो तो मानो सातवें आसमान पर पहुँच गई थी। अब तो वो मेरे मूसल चंद से रगड़ाई के झटकों का इंतज़ार कर रही थी। उसकी तेज-तेज चुसाई से मेरे लण्ड महाराज का अत्यंत स्वादिष्ट प्रथम रस (प्री-कम) उसके मुँह में जाना शुरू हो गया था।

यह महसूस करके मैं बोला- कैसा लग रहा इसका स्वाद ?

बोली- बहुत स्वादिष्ट है.. कुछ मीठा और कुछ नमकीन।

मैं बोला- क्या मेरा सारा रस तुम मुफ्त में पी जाओगी और एवज मुझे कुछ नहीं दोगी ? उठो.. और बिस्तर के ऊपर आकर लेटो.. ताकि मैं भी तुम्हरी चूत का रस पी सकूँ।

‘अभी लो चाचा जी..!’ उसने कहा और झट से बिस्तर पर आ कर लेट गई।

फिर तो हम दोनों 69 की अवस्था में लेट कर उसकी टाँगें चौड़ी करके चूत रानी को चूसने लगा और वो मेरे लण्ड राजा के लाल सुपाड़े को चाटने में जुट गई।

मैं कभी बिल्लो की सलोनी चूत में अपनी जीभ डालता तो कभी उसके अन्दरूनी होंठ चूसता। लेकिन जब उसके छोले पर जीभ चलाता तो उसकी चूत के अन्दर अजीब सी गुदगदी होती और मुझे लगता कि वो जन्नत में पहुँचने का आनन्द ले रही है।

हम दोनों की इस चुसाई से उत्तेजित होकर हमारे दोनों के मुँह से 'उंह्ह्ह.. उंह्ह्ह्ह..' और 'आह.. आह्ह्ह्ह..' की आवाजें निकलने लगी थीं।

उसका तो यह हाल था कि चूत का पानी भी निकलने लगा था.. जिसे मैंने बड़े मजे से पी लिया था और मुझे उसका नमकीन रस इतना मजा दे रहा था कि मैं तो डकार भी नहीं ले रहा था।

तब मैंने देखा कि मेरा रस छूटने के बाद भी लण्ड महाराज अभी भी लोहे की छड़ की तरह अकड़ा हुआ है और वह अगली चढ़ाई के लिए तैयार है।

मैंने बिल्लो की टाँगें चौड़ी कर दीं और उसकी गाण्ड को देखने लगा।

मैं बोला- यह तो बहुत नाज़ुक सी लग रही है, क्या यह इस बड़े लौड़े को गाण्ड में झेल पाओगी?

बिल्लो ने पूछा- क्या करना है.. आप तो ये बोलिए?

चाचा- जाकर तेल की शीशी ले आओ।

बिल्लो ऑलिव आयल की शीशी ले आई और तेल लेकर लंड पर डाल दिया। दोनों हाथों से लंड महाराज की मालिश करने लगी, तेल लगाने से लौड़े का रंग बदलने लगा और काफी लंबा भी हो गया।

'बाप-रे-बाप.. यह तो और भी लंबा हो गया चाचा.. देखो.. आपका ये कैसा लपलपा रहा है और चमक रहा है।'

मैं- क्या तुम फिर से चुदने के लिए तैयार हो ना?

बिल्लो ने शर्मा कर सर झुका लिया। फिर मैंने उसे उकड़ बना कर बैठा दिया और लंड को उसकी गाण्ड पर रख कर एक धक्का लगाया की 'पूच्च..' से सुपाड़ा कार्क के माफिक जाकर गाण्ड के छेद में अड़ गया..

बिल्लो चिहुँक गई। मैं अपने दोनों हाथों से उसके चूचों को दबाते हुए बिल्लो को अपने

गोद में ज्यों ही बैठाया लण्ड सरसरा कर गाण्ड में पूरा ठस गया ।
झुक कर बिल्लो ने देखा कि उसने मेरा दस इंच का लंड के सुपारे को कैसे अपनी गाण्ड में चिपका लिया है ।
वो दर्द से बिलबिला रही थी ।

इसके बाद मैंने अपना लण्ड लाल.. जो इस समय अपने पूरे उफान पर था और पूरे आकार का हो चुका था... बिल्लो की गाण्ड के मुँह के पास रख दिया और हलके से धक्के मार कर उसे अन्दर घुसेड़ने लगा । उसकी चूत जो पूरी खुल चुकी थी और उस समय लण्ड की इतनी भूखी लग रही थी कि उसका मुँह अपनेआप खुलने लगा और देखते ही देखते उसने मेरे लौड़े के सुपारे को अपनी गाण्ड में निगलना शुरू कर दिया ।

मैं उसकी यह हिमाकत देख कर बहुत हैरान हुआ और जोश में आ कर एक जोर का धक्का दे मारा ।

फिर क्या था बिल्लो की तो 'चू' बोल गई और उसके मुँह से एक जोर की चीख 'आईईईईए..' निकल गई ।

मैं एकदम से उसके ऊपर झुक गया और उसके सामान्य होने तक वैसे ही रुका रहा । मैं उसकी चूचियों को दबाता रहा तथा उसे जोर से चूमता रहा ।

जब वो कुछ ठीक हुई.. तब उसने मुझसे पूछा- कितना गया ?
तो मैंने कहा- अभी तो आधी सजा मिली है । बाकी आधी सजा के लिए तैयार हो.. तो बताओ ।

जब उसने हामी भर दी.. तब मैंने कस कर एक और धक्का मारा और अपना पूरा लंड उसकी गाण्ड की जड़ में पहुँचा दिया ।

वो एक बार दर्द के मारे फिर 'आईईए... आईईए..' करके चिल्ला उठी ।

मुझे भी लगा कि शायद गाण्ड फट गई है और इसीलिए इतना दर्द हो रहा है। किसी चूत की सील टूटने पर और बेटे के होने पर भी इतनी दर्द नहीं होता है.. जितना कि अब उसे हो रहा था।

मैं उसकी तकलीफ को समझते हुए रुक गया था और अपना दाहिना हाथ उसकी चूत के ऊपर उगे हुए बालों के ऊपर रखा और थोड़ा दबाया और उसके ऊपर लेट गया।

मैंने अपने बाएं हाथ से चूची को मसलते हुए पूछा- अब कैसा लग रहा है? अगर तुम कहती हो तो मैं निकाल लेता हूँ.. नहीं तो जब कहोगी तभी आगे सजा दूंगा।

कुछ ही पलों के बाद उसे दर्द से निजात मिल गई और उसने हरी झण्डी दे दी।

बस मैंने गाण्ड की ठुकाई शुरू कर दी साथ ही उसकी चूत का उंगली चोदन भी करने लगा।

कुछ ही देर में उससे नहीं रहा गया, वो चिल्ला उठी- चाचा जी.. और तेज.. और तेज... आह.. आह.. मैं गईईए.. गईईईए.. गईईए.. गईईई..

उसका जिस्म अकड़ गया और उसकी गाण्ड मेरे लण्ड से चिपक गई। इसी समय मेरी भी हुंकार निकल गई और लण्ड उसकी गाण्ड में जोर से फड़फड़ाया। एक ज़बरदस्त पिचकारी छूटी और बिल्लो तो उस समय के आनन्द में मेरे रस की नदी में बह गई।

अगले अंक में पढ़िए.. बिल्लो ने अपनी सहेली को मुझसे चुदने के लिए कैसे उकसाया।

skmitra35@gmail.com

Other stories you may be interested in

दीदी चुदी अपने यार से

मैंने अन्तर्वासना पर बहुत सारी कहानियाँ पढ़ी हैं. आज मेरा भी मन हुआ कि मैं भी आप लोगों के साथ एक कहानी शेयर करूँ. यह कहानी मेरी नहीं है बल्कि मेरी बहनों की है. कहानी शुरू करने से पहले मैं [...]

[Full Story >>>](#)

मेरी क्लास का हैंडसम लड़का – गे स्टोरी

हैलो फ्रेंड्स, उम्मीद है, आप सब लोग ठीक होंगे. सबसे पहले मैं अपने बारे में बता देता हूँ, मेरा नाम प्रिंस दीप है. मेरी उम्र 18 साल है, फिजिकली मैं गोलमटोल हूँ. वैसे तो मैं नॉर्मल लड़कों की तरह ही [...]

[Full Story >>>](#)

पति से परेशान सलहज की चुत मारी

अन्तर्वासना के मेरे प्यारे सभी पाठकों आपको हैरी बवेजा का नमस्कार. पुराने दोस्त तो मुझे जानते होंगे, नये दोस्तों को मैं अपना परिचय दे देता हूँ. मेरी उम्र 35 साल की है. पंजाब का हूँ. बहुत दिनों बाद कहानी लिखने [...]

[Full Story >>>](#)

दोस्त की बीवी को सुहागरात में चोदा

नमस्कार दोस्तो, मेरा नाम विक्की है, मैं एक जिगोलो हूँ. यह कहानी मेरी पहली चुदाई की है. इस कहानी में पढ़ें कि कैसे मैंने अपने जिगरी दोस्त की बीवी को उसकी शादी की रात को चोदा. मैं कोई लेखक नहीं [...]

[Full Story >>>](#)

कमसिन लड़की की अनचुदी चूत का मजा

अन्तर्वासना सेक्स स्टोरीज पढ़ने वाले मेरे प्यारे दोस्तो, अभी कुछ समय पहले ही मुझे एक नया सेक्स अनुभव हुआ जिसको मैं आप सब पाठकों से शेयर कर रहा हूँ. मेरी उम्र 28 साल की है. मेरी शादी हुए अभी कुछ [...]

[Full Story >>>](#)

